मन्द मन्द मुसका दे कान्हा

मन्द मन्द मुसका दे कान्हा,
नयनन बान चला दे कान्हा,
मुरली मधुर बजा दे कान्हा,
सुर लय तान सुना दे कान्हा,
मन्द मन्द मुसका---------

प्रीत की रीत सीखा दे कान्हा,
मन का मीत बना दे कान्हा,
संग ग्वालन धूम मचा दे कान्हा,
गोपिन संग रास रचा दे कान्हा,
मन्द मन्द मुसका--------

नवउमंग नवरंग दे कान्हा,
नवजीवन, नवतरंग दे कान्हा,
निश्छल भक्ति से भर दे कान्हा,
माया तृष्णा सब हर ले कान्हा,
मन्द मन्द मुसका----------

पद पंकज नेह लगा दे कान्हा,
प्रेम सुधा बरसा दे कान्हा,
अविरल भक्ति जगा दे कान्हा,
भव से पार लगा दे कान्हा,
मन्द मन्द मुसका---------

रचना आभार : ज्योति नारायण पाठक,
वाराणसी

Source: https://www.bharattemples.com/mand-mand-musaka-de-kanha/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw